Estd. 2006

चन्द्रा इंस्टीट्यूट

(ISO 9001-2008 Certified Institute)

सरकारी नौकरी के लिए एक मात्र विश्वसनीय संस्थान

SSC BANK RRB TET

प्राथमिक शिक्षक

UPP, SSC (GD)

CTET (बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र)

HO : रामबाग ब्रांच
M.: 8400333260

BO : अल्लापुर ब्रांच
M : 8400333264

BO : सिविल लाइन्स
M : 9936357073

BO : सलोरी ब्राँच
M : 9936444560

Air Conditioner Classes

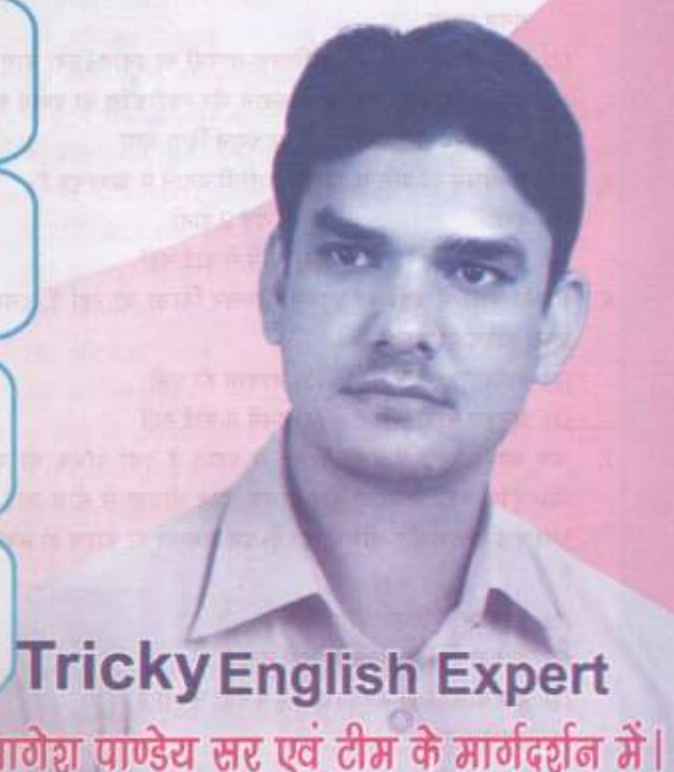

Tricky English Expert

वागेश पाण्डेय सर एवं टीम के मार्गदर्शन में।

web : www.chandrainstitute.com || E-Mail : chandrainstituteit@rediffmail.com

बाल विकास एवं शिक्षण

1. वह अवस्था जब बच्चा तार्किक रूप से वस्तुओं व घटनाओं के विषय में सोचना प्रारम्भ करता हैं,
   (1) संवेदी-प्रेरक अवस्था
   (2) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था
   (3) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
   (4) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था
2. "बच्चे अपनी सोच का सृजन स्वयं करते हैं" निम्न में से यह किसका मत हैं?
   (1) पियाजे (3) स्किनर
   (2) पैवलॉव (4) कोहलबर्ग
3. किसी बालक में तर्क के आधार पर सोचने की क्षमता के विकास के लिए आवश्यक तत्त्व हैं
   (1) भाषा सम्प्रेषण में निपुणता
   (2) असीमित कल्पना शक्ति
   (3) बालक के समक्ष अनेक समस्याएँ
   (4) उसकी बोलने की गति
4. आप अपनी कक्षा में अधिगम की गति तेज कर सकते हैं यदि
   (1) वास्तविक दुनिया से उदाहरणों को कक्षा में लाया जाए जिसमें विद्यार्थी एक-दूसरे से अन्तःक्रिया करें और शिक्षक उस प्रक्रिया को सुगम बनाए
   (2) कक्षा में अधिक-से-अधिक शिक्षण-सामग्री का प्रयोग किया जाए
   (3) शिक्षक विभिन्न प्रकार के व्याख्यान और स्पष्टीकरण का प्रयोग करें
   (4) कक्षा में आवधिक परीक्षाओं पर ध्यान दिया जाए
5. बच्चों में सीखने की प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने मे आवश्यक हैं-
   (1) दण्ड (3) 1 एवं 2 दोनों
   (2) पुरस्कार (4) इनमें से कोई नहीं
6. आपकी कक्षा में बच्चों का प्रदर्शन निरन्तर गिरता जा रहा हैं, इसका प्रमुख कारण हो सकता हैं-
   (1) तत्परता (3) अभ्यास की कमी
   (2) अनुकूल वातावरण (4) इनमें से कोई नहीं
7. आप अपनी कक्षा में कड़ी मेहनत से पढ़ाते हैं तथा बालक भी बड़े ध्यानपूर्वक पढ़ते है परन्तु कुछ बालक बहुत शीघ्रता से सीख जाते हैं तथा कुछ बालक धीरे-धीरे सीखते हैं। इस समस्या का कारण हो सकता हैं
   (1) अधिगम व्यक्तिगत होता हैं
   (2) कुछ बालकों का स्वास्थ्य सही नहीं हैं
   (3) कुछ बालकों का मन विद्यालय में नहीं लगता हैं
   (4) उपरोक्त सभी
8. यदि आप अपनी कक्षा के बच्चों में यह भावना जाग्रत करना चाहते हैं कि उन्हें विद्यालयी उपलब्धियों में सफल होना चाहिए तो इसके लिए आप निम्न में से क्या उपाय अपनाएँगे?
   (1) बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास करेंगे
   (2) बच्चों का मार्गदर्शन उचित दिशा में करेंगे
   (3) अपने शिक्षण में उचित विधियों का प्रयोग करेंगे
   (4) उपरोक्त सभी
9. एक शिक्षक को बच्चों को सिखाते समय ध्यान देना चाहिए
   (1) कक्षा के आधार पर
   (2) शिक्षण पद्धति एवं निर्देशन पर
   (3) बालकों के वर्गीकरण पर
   (4) उपरोक्त सभी पर
10. आपके विचार से निम्नलिखित में से क्या अधिगम प्रक्रिया की एक मुख्य विशेषता नहीं हैं-
   (1) शैक्षिक संस्थान ही एकमात्र स्थान हैं जहाँ अधिगम प्राप्त होता हैं
   (2) सीखना एक व्यापक प्रक्राय हैं
   (3) सीखना लक्ष्योन्मुखी होता हैं
   (4) अन-अधिगम भी सीखने की प्रक्रिया हैं
11. शिक्षण के क्रियात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम में किस पर जोर दिया जाता हैं?
   (1) सिद्धान्त एवं अवधारणा
   (2) क्रिया एवं प्रयोग
   (3) विद्यालय प्रबन्धन
   (4) उपरोक्त में से कोई नहीं
12. एक विद्यार्थी के असामाजिक व्यवहार को सुधारने के लिए कौन-सा कार्य नहीं करना चाहिए?
   (1) दूसरे विद्यार्थियों से कहना किं वह उसके साथ न रहे
   (2) विद्यार्थी से समस्या पर विचार करना
   (3) उसको परामर्शदाता के पास भेजना
   (4) उसके परिवार के सदस्यों से बात करना
13. शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में शिक्षक को सिखाने के किस सिद्धान्त की जानकारी होना आवश्यक हैं?
   (1) इससे अनुशासन बनाए रखने में सहायता मिलती हैं
   (2) इससे पाठ्यवस्तु को रोचक बनाने में सहायता मिलती हैं
   (3) इससे पाठ्यवस्तु को सरल तरीके से समझे में सहायता मिलती हैं
   (4) इससे समय की बचत होती हैं
14. शिक्षण अधिगम के अन्तर्गत शिक्षक का प्रमुख कार्य हैं-
   (1) बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करना
   (2) बालक को पढ़ाना
   (3) बालक का ज्ञानवर्धन करना

CHANDRA INSTITUTE PRAYAGRAJ - 8400333264

(4) बालक को अच्छे संस्कारों में डालना

15. यदि आप कक्षा 8 के कक्षा-अध्यापक हैं, तो आपको अपनी कक्षा में बालकों के सीखने का मूल्यांकन करना चाहिए-
(1) वर्ष में केवल एक बार
(2) वर्ष में केवल दो बार
(3) वर्ष में केवल तीन बार
(4) प्रत्येक महीने

16. निम्न में से क्या एक शिक्षक की विशेषता नहीं हैं?
(1) शिक्षण, शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने का साधन हैं
(2) शिक्षण कला तथा विज्ञान दोनों हैं
(3) शिक्षण एक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान नहीं हैं
(4) शिक्षण, शिक्षक तथा शिक्षार्थियों के बीच की कड़ी हैं

17. किसी बालक की समस्याओं के विषय में पता लगाने के लिए कम उपयोगी मनोवैज्ञानिक विधि हैं-
(1) प्रयोगात्मक विधि
(2) निरीक्षण विधि
(3) परीक्षण विधि
(4) वैयक्तिक इतिहास विधि

18. एक बालक द्वारा किसी समस्या का समाधान करने के लिए निम्न में से क्या गुण होना आवश्यक हैं?
(1) भाषा विकास
(2) स्वावलम्बी
(3) बार-बार प्रयास करने की आदत
(4) उपरोक्त सभी

19. आपकी कक्षा का एक बच्चा किसी समस्या को समझने का प्रयास कर रहा हैं। आप उस बच्चे के विषय में क्या कहेंगे?
(1) बच्चा सामान्य सोच वाला हैं
(2) बच्चे की बुद्धि लब्धि 70 से कम हैं
(3) बच्चे में वैज्ञानिक सोच का विकास हो रहा हैं
(4) बच्चे का मन पढ़ाई में ना लगकर इधर-उधर की बातों में लगा रहता हैं

20. बच्चों में वैज्ञानिक सोच का विकास करने के लिए आवश्यक घटक हैं-
(1) बच्चों के समक्ष छोटी-छोटी समस्याएँ रखी जाए
(2) बच्चों के द्वारा किये गए सम्भावित समाधानों का परीक्षण करके
(3) बच्चों को सम्भावित समाधानों के निर्माण हेतु प्रेरित करके
(4) उपरोक्त संधि

21. कोई बच्चा अपनी समस्या जब स्वयं हल कर लेता हैं तब आप-
(1) बच्चे को कुछ नहीं कहेंगे
(2) बच्चें को पुरस्कृत करेंगे
(3) बच्चें को दण्डित करेंगे
(4) बच्चें को दोबारा ऐसा न करने को कहेंगे

22. समस्या समाधान की अन्तर्दृष्टि विधि के सम्बन्ध में किसके द्वारा वनमानुषों पर किए गए प्रयोग उल्लेखनीय हैं?
(1) थॉर्नडाइक के (3) स्किनर के
(2) कोलहर के (4) जीन पियाजे के

23. कोई बच्चा अपने द्वारा निश्चित की गई सर्वोत्तम विधि का प्रयोग करता हैं
(1) समस्या समाधान के लिए
(2) स्कूल छोड़कर भाग जाने के लिए
(3) एक पक्षीय चिन्तन के लिए
(4) उपरोक्त सभी

24. जब कोई बच्चा अपनी समस्या का समाधान स्वयं करने लगता हैं, तो उसमें निम्न में से क्या गुण विकसित हो जाता हैं?
(1) वैज्ञानिक अन्वेषक का (3) क्रोध का
(2) प्रतिशोध का (4) समस्या का

25. "सीखना विकास की प्रक्रिया हैं।" यह कथन किसका हैं?
(1) गेट्स (3) स्किनर
(2) वुडवर्थ (4) कोहलर

26. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धान्त छात्रों के व्यवहार को वांछित स्वरूप तथा दिशा प्रदान करने में शिक्षकों की सहायता करता हैं?
(1) अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त
(2) प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त
(3) अनुकरण सिद्धान्त
(4) अनुभवजन्य अधिगम सिद्धान्त

27. अधिगम प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में बालकों की त्रुटियों का पता लगाने के लिए शिक्षक को अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों की जानकारी आवश्यक हैं। निम्नलिखित में से कौन अधिगम को प्रभावित करने वाला एक कारक हैं?
(1) पुरस्कार एवं दण्ड
(2) अभिप्रेरणा
(3) उचित वातावरण
(4) उपरोक्त सभी

28. अधिगम की प्रक्रिया विभिन्न कारकों से प्रभावित होती हैं। निम्नलिखित में से कौन अधिगम को प्रभावित करने वाला बाह्य कारक हैं?
(1) शारीरिक वृद्धि एवं विकास
(2) अभिप्रेरणा
(3) वातावरण
(4) रुचि

29. किसी बालक में संवेग आवश्यक हैं क्योंकि संवेग
(1) बालक की संवेगात्मक अनुक्रिया हैं

CHANDRA INSTITUTE PRAYAGRAJ - 8400333264

(2) बालक की उद्दीप्त अवस्था हैं जो किसी उद्दीपक के सन्दर्भ में अनुक्रिया द्वारा व्यक्त की जाती हैं
(3) बालक द्वारा किसी विशेष दशा में दिया गया प्रत्युत्तर हैं
(4) बालक के असंगठित व्यवहार को प्रदर्शित करता हैं

30. पुरुषों में स्त्रियों की अपेक्षा संवेग की तीव्रता होती हैं
(1) अधिक (3) बराबर
(2) कम (4) कुछ कह नहीं सकते

31. संवेगों का शिक्षा में महत्त्व नहीं हैं-
(1) बालकों में अध्ययन के प्रति रुचि पैदा करने में
(2) बालकों में समाज के अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता पैदा करने में
(3) बालकों को असभ्य बनाने में
(4) बालकों को शिष्ट बनाने में

32. निम्न में से कौन-सा बच्चे की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं के साथ सम्बद्ध नहीं हैं?
(1) सामाजिक अनुमोदन अथवा सराहना की आवश्यकता
(2) संवेगात्मक सुरक्षा की आवश्यकता
(3) शरीर से अपशिष्ट पदार्थों का नियमित रूप से बाहर निकलना
(4) संगीत की आवश्यकता

33. संवेग किसी बालक में पैदा कर सकता हैं-
(1) सफलता की भावना
(2) रुचि की भावना
(3) प्रेरणा की भावना
(4) ये सभी

34. "किसी बालक में सबसे पहले भय तथा प्रेम के संवेग विकसित होते हैं।" निम्न में से यह कथन किसका हैं?
(1) जीन पियाजे का
(2) वाटसन का
(3) स्किनर का
(4) कोलहर का

35. आप अपनी कक्षा के किसी बालक को पढ़ाने हेतु उसे प्रेरित करने का कौन-सा तरीका उपयुक्त मानते हैं?
(1) बालक के आत्मसम्मान को सुरक्षित करना
(2) उसकी प्रशंसा दूसरे बालकों के समक्ष करना
(3) उसे सकारात्मक प्रलोभन देना
(4) बालक के प्रेरकों का मार्गन्तीकरण करना

36. किसी बालक के व्यवहार के निर्धारण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा व्यवहार उत्तम हैं?
(1) जब बालक के सम्मुख अनेक प्रेरक हों, तो उनमें से कुछ अधिक से अधिक प्रभावी होते हैं
(2) प्रत्येक बालक आवश्यकताओं की सन्तुष्टि के लिए अधिक से अधिक प्रयास करता हैं
(3) जब बालक के सम्मुख अनेक लक्ष्य हों, तो उसके लिए सभी लक्ष्य समान होते हैं
(4) उपरोक्त सभी

37. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य सत्य नहीं हैं?
(1) सभी प्रकार के व्यवहार आवश्यकताओं की सन्तुष्टि करते हैं
(2) जब प्रेरणा समाप्त हो जाती हैं तब अनुशासन की समस्या सामने आती है
(3) अनुशासन, किसी भी प्रकार की प्रेरणा का नकारात्मक स्वरूप हैं
(4) प्रत्येक स्थिति में बालकों को नियमों के पालन करने की अनुभूति आवश्यक हैं

38. "कार्य को आरम्भ करने, जारी रखने और नियमित करने की प्रक्रिया" कहलाती हैं
(1) प्रेरणा (3) कार्य
(2) अधिगम (4) खेल

39. निम्न में से किसको एक अभिप्रेरित शिक्षण का संकेतक माना जाता हैं-
(1) कक्षा में दिया गया उपचारात्मक कार्य
(2) विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछना
(3) शिक्षक द्वारा दिया गया उपचारात्मक कार्य
(4) कक्षा में एकदम खामोशी

40. आप अपनी कक्षा के एक पिछड़े छात्र में अधिगम की गति को तीव्र करना चाहते है जिससे कि वह सामान्य छात्रों की श्रेणी में आ सके, इसके लिए आप निम्न में से क्या उपाय अपनाएँगे
(1) उत्तम शिक्षण विधियों का प्रयोग करते हुए उसे सही दिशा में प्रेरित करेंगे
(2) उसके माता-पिता से उसकी शिकायत करेंगे
(3) उसको पूरी कक्षा के समक्ष दण्डित करेंगे
(4) उपरोक्त सभी

41. सीखने में प्रेरणा का स्थान अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे बालकों में
(1) व्यक्तिगत विभिन्नताओं में कमी होती हैं
(2) शारीरिक विकास होता हैं
(3) अनुशासन की भावना का विकास होता हैं
(4) सामाजिक गुण सीमित रहते हैं

42. प्रेरणा के सम्बन्ध में 'आवश्यकता के सिद्धान्त' का प्रतिपादन किया
(1) हेनरी मरे
(2) मैसलो
(3) स्किनर
(4) गोल्डस्टीन

CHANDRA INSTITUTE PRAYAGRAJ - 8400335264